

# PREPRIMARY RHYMES

## DECEMBER

### Out in the garden

Out in the garden each fine day,  
With my ball I like to play.  
I bounce my ball  
I bounce my ball  
I bounce my ball on each fine day.  
Out in the garden each fine day,  
With my kite I like to play.  
I fly my kite  
I fly my kite  
I fly my kite on each fine day.  
Out in the garden each fine day,  
With my bike I like to play.  
I ride my bike  
I ride my bike  
I ride my bike on each fine day.



### My Bicycle

I have a little bicycle,  
I ride it to the shop.  
And when I see a big red light,  
I know I have to stop.  
I have a little bicycle,  
I ride it to the gate.  
And when I see a yellow light,  
I know it's time to wait.  
I have a little bicycle,  
I ride it to and fro.  
And when I see a green light,  
I know it's time to go.



## बुड्ढा बाबा

एक बुड्ढा बाबा आया है ,  
चौराहे के मोड़ पर,  
उसके हाथ मे पोटली ,  
फिर वो बोला ज़ोर से।  
आओ-आओ सारे बच्चे,  
खेल दिखाऊँ अच्छे-अच्छे ,  
भाई बहन तुम सबको लाओ ,  
मिलकर झूमो, नाचो गाओ ।  
पोटली से निकली गुड़िया ,  
जगमग - जगमग नाच के ,  
उसके पीछे, घोड़े-हाथी ,  
मिट्टी के और काँच के ।  
बीन बजाता भालू आया, ढोलक ढम- ढम शोर मचाया ,  
पीछे पीछे निकले तारे, झिलमिल - झिलमिल कितने सारे ।  
खेल दिखाकर बुड्ढा बोला आऊँगा मैं बाद में,  
एक-एक खिलौना ले लो , तुम सब मेरी याद में ।



## जंगल

जंगल में एक शेर ,  
चला दबा के बेर ,  
बेर दबा के ही पल में  
शेर हो गया ढेर ।  
चिड़ियों का था गाँव ,  
पीपल की थी छाँव,  
चूँ- चूँ बोली चिड़िया तो  
कौआ बोला काँव।  
हाथी बोला चल  
हथिनी बोली कल ,  
हाथी-हथिनी चल तो पड़े,  
पर बीच में था दलदल ।  
ये अपना जंगल, बड़ा कुशल मंगल ,  
ना हुआ झगड़ा यहाँ  
ना कभी दंगल ।

